



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
 भारत मौसम विज्ञान विभाग
 गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
 उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-12-2020

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2020-12-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2020-12-19	2020-12-20	2020-12-21	2020-12-22	2020-12-23
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	16.0	19.0	22.0	18.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	4.0	4.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	85	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	50	55	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	330	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (11 – 17 दिसम्बर , 2020) में 2.5 मिमी वर्षा होने व आसमान साफ रहा व कहीं-कहीं आंशिक से घने बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 17.0 से 24.2 डि०से० एवं न्यूनतम तापमान 2.9 से 13.4 डि०से० के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 90 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 43 से 77 प्रतिशत एवं हवा 1.0 से 9.8 कि०मी० प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम से चली। आगामी पांच

दिनों में वर्षा की कोई सम्भावना नहीं है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.0 से 22.0 व 3.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

कोविड 19 को फैलने से रोकने हेतु, कृषि कार्य के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करें। आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावना नहीं है। बदलते मौसम में फसलों में कीट व रोगों के प्रकोप की सम्भावना बढ़ जाती है अतः किसान भाई फसलों की नियमित निगरानी करते रहे व आवश्यकतानुसार संस्तुत रसायनों का प्रयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में शीत लहर चलने के साथ मध्यम से घना कोहरा छाया रहेगा तथा वर्षा की कोई सम्भावना नहीं है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
जौ	जौ की पछेती दशा में बुवाई हेतु संस्तुत किस्में- ज्योति, प्रीति, मंजुला, जागृति का चुनाव करें। प्रति हेक्टेयर 100-110 कि०ग्रा० बीज का उपयोग करें। 18-20 से०मी० के कतारों में बुवाई करें। बुवाई दिसम्बर के दूसरे पखवाड़े तक अवश्य पूरा कर लें।
गेहूँ	गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण हेतु दो निराई-गुड़ाई पर्याप्त होता है। पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन बाद तथा दूसरी बुवाई के 45-50 दिन बाद करें। इससे खरपतवार तो नियंत्रण होता ही है साथ ही भूमि में समुचित हवा के संचार होने से कल्ले अधिक निकलते हैं। चैड़ी पत्ति एवं घास वर्ग के खरपतवार के नियंत्रण हेतु वेस्टा की 400 ग्रा० मात्रा का 700 ली० पानी में घोल बनाकर 1 हेक्टेयर में बुवाई के 30-35 दिन बाद छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
---------	----------------------

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की पछेती झुलसा रोग मौसम पर पूर्णतया निर्भर है। अतः आगामी कुछ दिनों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप की संभावना व्यक्त की जाती है। आलू उत्पादक किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू के खेत में पछेती झुलसा रोग का प्रकोप नहीं है, उस स्थिति में सुरक्षात्मक छिड़काव के रूप में पछेती झुलसा से बचाव हेतु मैन्कोजेब 72 प्रतिशत धुलनशील चूर्ण का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर अतिशीघ्र छिड़काव करें। यदि खेत में आलू के पछेती झुलसा रोग के शुरूवाती लक्षण प्रकट हो चुके हैं, उस स्थिति में साइमोकजेनिल + मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ + मैन्कोजेब अथवा फैनैमिडान + मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
आम	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने पर चारों ओर भूमि से लगभग 40से0मी0 ऊपर मिट्टी की पतली परत चढ़ाकर 400 गेज की मोटी पॉलीथीन की 25 से0मी0 चौड़ी पट्टी लपेट कर उसके दोनों तरफ सुतली से बाँधना चाहिए। साथ ही नीचे के भाग में ग्रीस का लेप लगा लेना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को धान की कच्ची आहार के रूप में दें। जिससे उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है।